आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 305 | उज्जैन, बुधवार 23 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रदेश में 2 नए मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र जबलपुर और ग्वालियर को मंजूरी शीघ्र- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का निरंतर विकास किया जा रहा है। प्रदेश में 2 मेट्रोपॉलेटिन क्षेत्र भोपाल और इंदौर की स्वीकृति के बाद 2 नए मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र जबलपुर और ग्वालियर को शीघ्र मंजूरी दी जाएगी। मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र अधोसंरचना को सशक्त बनाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को होटल जहांनुमा पैलेस के सभाकक्ष में फ्री प्रेस के 42 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 16 नगर निगमों के महापौर का सम्मान किया। सम्मानित महापौर में भोपाल की

महापौर श्रीमती मालती राय और इंदौर के महापौर श्री पुष्प मित्र भार्गव भी उपस्थित थे। इस अवसर पर भोपाल के उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षद भी पुरस्कृत किए गए।

स्वच्छता, मेट्रो रेल और स्मार्ट सिटी के विकास में प्रदेश की उपलब्धियां-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता का संदेश दिया है। मध्यप्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं। अनेक नगरीय निकाय स्वच्छता क्षेत्र में प्रतिवर्ष श्रेष्ठ कार्य के लिए पुरस्कृत हो रहे हैं। प्रदेश में भोपाल और इंदौर के साथ अन्य नगरों के नागरिक भी शीघ्र ही मेट्रो रेल सुविधा का लाभ प्राप्त करेंगे। शहरी विकास को प्राथमिकता देते हुए कायाकल्प अभियान में 1550 करोड़ रुपए के निवेश से सड़कों का स्वरूप बदल रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन-2 के माध्यम से जबलपुर और उज्जैन के नगरीय निकायों के लिए 370 करोड़ रुपए देने की पहल की गई। स्मार्ट सिटी की संकल्पना को जमीन पर उतारते हुए महाकाल परिसर उज्जैन के विकास सहित अनेक कार्य हुए हैं। प्रदेश में आठ एयरपोर्ट संचालित हैं और अन्य विमानतल भी शीघ्र प्रारंभ होंगे।

आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति के लिए एकीकृत तकनीकी समाधानों की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि आधुनिक युद्ध की निरंतर बदलती प्रकृति से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत और एकीकृत तकनीकी समाधानों की आवश्यकता है।

वह यहां तीनों सेनाओं की एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस संगोष्ठी का उद्देश्य राष्ट्रीय रक्षा के लिए महत्वपूर्ण विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु सेना-अकादमिक अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र में समन्वय स्थापित करना है।

बताया कैसे विकसित होंगी स्वदेशी क्षमताएं- रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने भविष्य की परिचालन मांगों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों, हथियारों, नेटवर्कों में सिद्धांतों और स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने में शिक्षा जगत, स्टार्ट-अप और उद्योग जगत की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने समग्र राष्ट्र दृष्टिकोण अपनाने का भी आह्वान किया और शिक्षाविदों से नवाचार को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों में विश्व में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह किया।

अमिताभ बच्चन ने मुफ्त में बांटे हेलमेट, केबीसी के इस प्रतिभागी से बिगबी हुए प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर कोई अच्छी बात सीखने को मिलती है, तो सीखना चाहिए। हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन भी सीखते हैं, प्रेरित होते हैं। तभी तो उन्होंने अपने प्रशंसकों को इस बार मुफ्त में हेलमेट बांटा है, वह भी अपने गेम शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के एक प्रतिभागी से प्रेरणा लेकर।

दरअसल, अमिताभ बच्चन हर रविवार को मुंबई स्थित अपने घर जलसा के बाहर प्रशंसकों से मिलने आते हैं। यह परंपरा वो साल 1982 से निभा रहे हैं। इस रविवार उन्होंने फैंस को नवरात्र के मौके पर डांडिया और हेलमेट बांटे हैं।

इस इंसान से ली अमिताभ बच्चन ने प्रेरणा- उन्हें हेलमेट बांटने की प्रेरणा मिली राघवेंद्र कुमार से, जिन्हें लोग हेलमेट मैन ऑफ इंडिया के नाम से जानते हैं। राघवेंद्र सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाते हैं। वह अब तक हजारों बाइक चालकों को मुफ्त हेलमेट बांट चुके हैं।

अब मैं शिफ्ट हो रहा हूं, स्वदेशी ब्राउजर जोहो से जुड़े आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को स्वदेशी इंटरनेट ब्राउजर जोहो से जुड़ने की घोषणा की। उन्होंने सोमवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स से एक वीडियो पोस्ट करके ये जानकारी दी। वैष्णव ने लिखा कि मैं अब जोहो पर शिफ्ट हो रहा हूं। यह हमारा अपना स्वदेशी प्लेटफार्म है, जहां दस्तावेज, स्प्रेडशीट और प्रेजेंटेशन बनाए जा सकते हैं। जोहो के संस्थापक श्रीधर वेंबू ने वैष्णव का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे हमारे इंजीनियरों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो पिछले दो दशकों से दिन-रात एक करके उस उत्पाद को तैयार करने में जुटे थे।

किसने विकसित किया है जोहो ब्राउजर- जोहो ब्राउजर विकसित करनेवाली कंपनी जोहो चेन्नई आधारित वैश्विक टेक्नोलाजी कंपनी है। इसकी स्थापना 1996 में की गई थी। कंपनी के ब्राउजर से गूगल और अन्य सर्चिंग ब्राउजर से निर्भरता कम की जा सकेगी। इससे साइबर सुरक्षा की चिंताओं से भी निपटा जा सकेगा।

इसके अलावा देश के यूजर्स का डाटा देश में ही रखने में आसानी होगी। इससे डाटा लीक का खतरा भी कम होगा।

कंपनी ने किया ये दावा- कंपनी का दावा है कि ब्राउजर को बच्चों के अनुकूल बनाया गया है। इसमें पैरेंटिंग कंट्रोल का भी विकल्प मिलेगा। साथ ही ये घरेलू भाषाओं को भी सपोर्ट करेगा।

दुश्मन से लोहा लेने के लिए स्वदेशी लाइट टैंक जोरावर तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का पहला स्वदेशी अत्याधुनिक बख्तरबंद हल्के टैंक जोरावर जमीन से लेकर आसमान तक दुश्मन से मोर्चा लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसे हर तरह की परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के काम्बैट व्हीकल्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (सीवीआरडीई) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने मिलकर रिकार्ड 24 महीने में तैयार किया है। इस टैंक को एलएंडटी के आर्मर्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स, हजीरा में तैयार किया जा रहा है।

यह टैंक 2020 में भारत-चीन के गलवान घाटी विवाद के बाद शुरू किए गए प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस टैंक को चीन के टाइप-15 लाइट टैंक का जवाब माना जा रहा है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की युद्ध क्षमताओं को कई गुना बढ़ा देगा।

25 टन वजनी यह टैंक हाई पावर टू वेट रेशियो के साथ आता है, जो ऊंचाई वाले इलाकों, रेगिस्तानों और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में तत्परता से मूवमेंट कर सकता है।

हल्का डिजाइन होने से इस टैंक को सी-17 ग्लोबमास्टर थ्री और चिनूक हेलीकाप्टर जैसे सैन्य विमानों से आसानी से युद्ध क्षेत्र में पहुंचाया जा सकता है। इस टैंक का नाम जनरल जोरावर सिंह कहलुरिया के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने जम्मू के डोगरा राजवंश के राजा गुलाब सिंह के अधीन काम किया था।

नीलामी नोटिस के बाद संपत्ति वापस नहीं ले सकते ऋणकर्ता-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया ऋणकर्ता नीलामी नोटिस के प्रकाशन के बाद अपनी संपत्ति वापस नहीं ले सकते। जब ऋणदाता बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा बिक्री प्रमाणपत्र जारी किया जाता है, तब खरीदारों को अचल संपत्ति के अधिकार मिल जाते हैं, जो सरफेसी एक्ट के अंतर्गत आता है।

बता दें कि सरफेसी एक्ट 2002 बैंकों और वित्तीय संस्थानों को बिना किसी न्यायालय के हस्तक्षेप के किस्त अदा न करने वाले ऋणकर्ताओं से वसूली करने का अधिकार देता है।

विदेश नीति अब रीढ़ की हड्डी है, अमित शाह ने पीएम मोदी और नेहरू के कार्यकाल की ऐसे की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की विदेश नीति को मजबूत बनाने की दिशा में काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की तुलना भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सहित कांग्रेस की बाद की सरकारों से की।

शाह ने कहा, जब इतिहासकार मोदी के युग की तुलना अन्य प्रधानमंत्रियों के युग से करेंगे तो परिणाम प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष में होगा।

उन्होंने कहा, एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। देश की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

अनुच्छेद 370, राम मंदिर, तीन तलाक, देश की नागरिकता की परिभाषा स्पष्ट करना, पूरे देश में भारतीय पासपोर्ट का सम्मान बढ़ाना, ये सब सिर्फ एक दशक में हुआ है।

भारत की विदेश नीति में मजबूती पीएम मोदी लेकर आए- उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की विदेश नीति में मजबूती लाने का काम किया है, जिसका पहले अभाव था। गृह मंत्री ने कहा, भारत की विदेश नीति का गहन अध्ययन करने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि भारत की विदेश नीति में रीढ़ की हड्डी की कमी थी। नरेंद्र मोदी ने भारत की विदेश नीति में रीढ़ जोड़ने का काम किया है।

पीएम मोदी को लेकर अमित शाह ने और क्या कहा- उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बहुत करीब से देखा है। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह रही है कि वह हर भूमिका में खुद को सफलतापूर्वक ढाल लेते हैं। वह अपनी सभी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने में सफल रहे हैं। यह एक बड़ी खूबी है।

H-1B वीजा शुल्क बढ़ाकर बुरे फंसे ट्रंप, अमेरिका पर भी ये फैसला क्यों पड़ रहा भारी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इस हफ्ते अचानक एलान किया कि H-1B वीजा पर 1 लाख डॉलर का शुल्क लगाया जाएगा। यह वीजा अमेरिका में काम करने वाले विदेशी प्रोफेशनल्स, खासकर टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए बेहद जरूरी है।

इस फैसले के बाद प्रवासी कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सिलिकॉन वैली की कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को सलाह दी कि वे अमेरिका से बाहर यात्रा न करें। डर यह था कि बाहर जाने पर वापस लौटने में दिक्कत होगी। हालात बिगड़ते देख व्हाइट हाउस ने सफाई दी कि यह शुल्क केवल नए वीजा आवेदन पर और एक बार ही लागू होगा।

अमेरिका पर पड़ेगा भारी असर- विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला अमेरिका की अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचा सकता है। टेक कंपनियां इंजीनियर, वैज्ञानिक और आईटी विशेषज्ञों के लिए H-1B वीजा पर ही निर्भर रहती है। अर्थशास्त्री आताकान बाकिस्कन का कहना है कि विदेशी प्रतिभा लाना मुश्किल हो जाएगा और इससे उत्पादकता पर असर पड़ेगा।

उनकी रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की विकास दर पहले 2% आंकी गई थी लेकिन अब इसे घटाकर 1.5% कर दिया गया है। ब्रोकरेज फर्म XTB की रिसर्च डायरेक्टर कैथलीन ब्रूक्स ने कहा कि अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और एप्पल जैसी कंपनियों में बड़ी संख्या में H-1B वीजा कर्मचारी हैं। टेक सेक्टर तो खर्च उठा सकता है, लेकिन हेल्थकेयर और शिक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए यह मुश्किल होगा।

सबसे ज्यादा भारतीयों को मिला है H-1B वीजा- H-1B वीजा प्रोग्राम में भारतीय सबसे ज्यादा आगे हैं। करीब 70% वीजा भारतीयों को मिलते हैं। यही वजह है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और IBM जैसी कंपनियों में भारतीय मूल के ष्टश्वह्र हैं। सिर्फ टेक नहीं, बल्कि अमेरिका के डॉक्टरों में भी लगभग 6% भारतीय मूल के हैं। ऐसे में यह फैसला सीधे भारत से जुड़े पेशेवरों पर असर डालेगा।

अमेरिका पर बढ़ेगा दबाव- विशेषज्ञों का मानना है कि शुरुआत में भारत को झटका लगेगा, लेकिन असली दबाव अमेरिका की कंपनियों पर होगा। NASSCOM ने चेताया है कि इससे कई प्रोजेक्ट अटक सकते हैं और क्लाइंट नई शर्तें थोप सकते हैं।

भारतीय आईटी कंपनियां जैसे TCS और इंफोसिस पहले से ही अमेरिका में लोकल वर्कफोर्स बढ़ा रही है और काम का बड़ा हिस्सा भारत या दूसरे देशों में शिफ्ट कर रही है। CIEL के एचआर के. आदित्य नारायण मिश्रा के मुताबिक, कंपनियां अब वीजा की भारी लागत से बचने के लिए रिमोट कॉन्ट्रैक्टिंग, ऑफशोर डिलीवरी और गिग वर्कर्स पर ज्यादा भरोसा कर सकती है।

वैक्सीन, कच्चा दूध और अब टाइलेनॉल... डॉ. ट्रंप और उनके मंत्री के झूठे दावे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने हाल ही में गर्भवती महिलाओं को सलाह दी कि वे टाइलेनॉल (पैरासिटामोल) न लें, क्योंकि इससे बच्चों में ऑटिज्म हो सकता है। यह बयान उन्होंने व्हाइट हाउस से दिया और कहा कि यह उनकी सामान्य समझ पर आधारित है।

मेडिकल विशेषज्ञों ने तुरंत इस दावे को झूठा और खतरनाक बताया। टाइलेनॉल बनाने वाली कंपनी केंव्यू ने भी साफ कहा कि इस तरह की बातों का कोई वैज्ञानिक सबूत नहीं है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि ऐसी सलाह से गर्भवती महिलाएं भ्रमित होंगी और इससे मां और बच्चे दोनों की सेहत खतरे में पड़ सकती है।

अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री का झूठा दावा- ट्रंप के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर लंबे समय से टीकों पर सवाल उठाते रहे हैं। वे एक एंटी-वैक्सीन संगठन चलाते हैं और कोविड वैक्सीन को अब तक की सबसे खतरनाक वैक्सीन कह चुके हैं। उन्होंने यह दावा भी किया था कि सितंबर तक वे ऑटिज्म का इलाज खोज लेंगे और इसके कारणों को खत्म कर देंगे।

हालांकि, विशेषज्ञों ने इस दावे को भी भ्रामक और खतरनाक बताया था। ट्रंप खुद भी पहले वैक्सीन के शेड्यूल बदलने की बात कर चुके हैं, जैसे कि खस्रका टीका अलग-अलग देना और हेपेटाइटिस बी का टीका 10 साल तक टालना। डॉक्टरों का कहना है कि इससे बच्चे गंभीर बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

कच्चे दूध पर केनेडी का बयान- जून 2024 में केनेडी ने कहा था कि वे सिर्फ कच्चा दूध पीते हैं। लेकिन स्वास्थ्य एजेंसियों ने साफ कहा है कि इस दूध में खतरनाक जीवाणु होते हैं जो डायरिया, फूड पॉइजनिंग और गंभीर संक्रमण फैला सकते हैं।

स्नष्ठ और ष्टष्ठष्ट ने चेतावनी देते हुए कहा था कि कच्चा दूध खासतौर पर कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए खतरनाक है। अमेरिका में 39 से ज्यादा राज्यों में यह बिकता है।

इजरायली सैन्य कार्रवाई के बाद गाजा में हड़कंप, सिटी के बड़े अस्पताल को खाली करने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा पट्टी के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी में इजरायली सैन्य कार्रवाई जारी है। लाखों लोग वहां मौजूद हैं लेकिन उससे इजरायली सेना की जमीनी कार्रवाई पर खास फर्क नहीं पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र आमसभा की बैठक में सोमवार से विश्व भर के नेताओं का जमावड़ा शुरू हो गया है।

ज्यादातर नेता गाजा में शांति चाहते हैं, इजरायल को इससे भी फर्क नहीं पड़ता है। इजरायल ने कतर में हमास नेताओं पर हमला करके गाजा में युद्धविराम को लेकर अनिच्छा जता दी है। अब वह गाजा सिटी पर कब्जे के अभियान पर अग्रसर है। करीब दो वर्ष के इजरायली हमलों से पैदा हुई स्थितियों में गाजा के फलस्तीनियों के प्रति विश्व भर में सहानुभूति की लहर मजबूत हो रही है।

इसी का नतीजा है कि रविवार को ब्रिटेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया और पुर्तगाल ने स्वतंत्र फलस्तीन राष्ट्र को मान्यता दे दी, आने वाले दिनों में कुछ प्रमुख यूरोपीय देश भी फलस्तीन को मान्यता दे सकते हैं। जाहिर तौर पर यह अमेरिका के सहयोगी देशों पर कम हो रहे प्रभाव का प्रतीक है। गाजा सिटी में इजरायली सेना ने शहर के प्रमुख अस्पताल जार्डेनियन हास्पिटल को खाली करने का आदेश दिया।

पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग का हिंदुओं पर सबसे अधिक प्रभाव, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की गलत प्राथमिकताएं हिंदुओं और सिंधियों के खिलाफ अपमानजनक कानूनों और धार्मिक उग्रवाद के क्रूर उपयोग में स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हिंदू इन विकृत प्राथमिकताओं का शिकार बनते हैं क्योंकि ईशनिंदा के आरोप, जो अक्सर व्यक्तिगत विवादों या पूर्वाग्रहों के आधार पर बनाए जाते हैं, गैर-मुसलमानों के खिलाफ आतंक के उपकरण बन गए हैं।

श्रीलंका के प्रमुख समाचार पत्र द डेली मिरर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में पिछले तीन वर्षों में ऐसे मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है। केवल 2024 में, कम से कम 475 मामले दर्ज किए गए हैं। यह संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ी है, जो दर्शाती है कि देश में कानून का कितना आसानी से दुरुपयोग किया जा रहा है।

रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया, अपमान का एक झूठा आरोप हत्या करने वाले दंगाइयों को भड़का सकता है। हिंसा के अपराधियों को कभी सजा नहीं मिलती, जिससे और अधिक अत्याचारों को बढ़ावा मिलता है।

शादीशुदा कर्मचारी पर आया कंपनी की मालकिन का दिल, तलाक के लिए दिए करोड़ों रुपये; कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक कंपनी की मालकिन ने अपने कर्मचारी को 3 मिलियन युआन (3 करोड़ 72 लाख रुपये) तोहफे में दे दिए। इस बिजनेसवुमन का नाम शू है। शू ने अपने कर्मचारी को इतने पैसे दिए, जिससे वो अपनी पत्नी को तलाक देकर शू के साथ एक नई जिंदगी की शुरुआत कर सके।

यह मामला चीन के चूंगचींग का है। ही नामक कर्मचारी कुछ समय पहले शू की कंपनी का हिस्सा बना था। इस दौरान दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। हालांकि, ही पहले से शादीशुदा था। उसने अपनी पत्नी को तलाक देने का फैसला किया।

तलाक के लिए दिए पैसे- तलाक के बदले ही को अपनी पत्नी और बच्चे को 3 मिलियन युआन देने थे। ही के पास इतने पैसे नहीं थे। ऐसे में शू ने उसकी मदद की और उसे फौरन 3 मिलियन युआन दे दिए, जिससे ही के तलाक में कोई अड़चन न आए और वो हमेशा एक-साथ रह सकें।

वापस मांगी रकम- मगर, इस मामले में ट्विस्ट तब आया जब 1 साल तक साथ रहने के बाद शू को लगा कि ही उसके लिए परफेक्ट लाइफ पार्टनर नहीं है। ऐसे में शू अपने पैसे वापस मांगने लगी। पहले ट्रायल के दौरान कोर्ट ने ही को पैसे लौटाने का आदेश दिया, लेकिन दूसरे ट्रायल में इस फैसले को पलट दिया गया।

कोर्ट ने सुनाया फैसला - ही और उसकी पूर्व पत्नी ने अदालत में अलग-अलग याचिका दायर की थी। शू अदालत के सामने सबूत पेश करने में विफल रही कि उसने ही को पैसे दिए हैं। अदालत ने ही के हक में फैसला सुनाया। अब यह मामला चीनी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कर्मचारी से अफेयर चलाने और उसका तलाक करवाने के लिए कई यूजर्स शू की आलोचना कर रहे हैं।

ईसाई राष्ट्र में झूठे हिंदू भगवान, हनुमान जी की मूर्ति को लेकर ट्रंप के MP का विवादित बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के टेक्सस में अष्टलक्ष्मी मंदिर में भगवान हनुमान की कई फीट ऊंची प्रतिमा बनी है। यह अमेरिका की तीसरी सबसे ऊंची मूर्ति है। हालांकि, इसे लेकर ट्रंप की पार्टी के सांसद ने विवादित बयान दिया है, जिसके बाद से ही अमेरिका में विवाद शुरू हो गया है। अमेरिका में रह रहे हिंदुओं ने रिपब्लिकन पार्टी से एक्शन लेने की मांग की है।

टेक्सस में रिपब्लिकन पार्टी के सांसद एलेक्जेंडर डंकन ने हनुमान जी की मूर्ति का विरोध किया है। उन्होंने इस मूर्ति को झूठा करार दिया है, जिससे हिंदू संगठन का गुस्सा भड़क उठा है।

डंकन का विवादित बयान- एलेक्जेंडर डंकन ने प्रतिमा का वीडियो शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने हिंदुओं के एक झूठे भगवान की झूठी प्रतिमा को टेक्सस में स्थापित करने की इजाजत क्यों दी है? हम ईसाई राष्ट्र हैं।

एलेक्जेंडर डंकन ने एक अन्य पोस्ट में लिखा- बाइबिल में लिखा है, मेरे अलावा आपका कोई और भगवान नहीं हो सकता है। आप धरती पर, स्वर्ग में या समुद्र में अपने लिए कोई मूर्ति, तस्वीर नहीं बना सकते हैं।

डंकन की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने डंकन के बयान को हिंदू विरोधी और भड़काऊ बताते हुए टेक्सस रिपब्लिकन पार्टी से एक्शन लेने की मांग की है।

प्रेगनेंट महिलाएं पेन किलर दवा का ना करें इस्तेमाल, डोनल्ड ट्रंप के दावे पर एक्सपर्ट हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोमवार को गर्भवती महिलाओं को टायलनॉल (एसिटामिनोफेन) के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी।

उन्होंने बिना पुख्ता सबूतों के इसे ऑटिज्म के साथ जोड़ दिया। इसके साथ ही उन्होंने नवजात शिशुओं को दी जाने वाली हेपेटाइटिस बी वैक्सीन में बड़े बदलाव की वकालत भी की।

हालांकि इस वकालत को लेकर हेल्थ एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है। ट्रंप प्रशासन की इन स्वास्थ्य नीतियों ने चिकित्सा और विज्ञान जगत में व्यापक चिंता पैदा कर दी है।

ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि गर्भावस्था के दौरान टायलनॉल का उपयोग अच्छा नहीं है और इसे केवल अत्यधिक बुखार जैसी चिकित्सकीय जरूरतों तक सीमित करना चाहिए। दूसरी ओर, उन्होंने नवजात शिशुओं को हेपेटाइटिस बी की वैक्सीन देने की जरूरत पर सवाल उठाए, बिना सबूतों के दावा किया कि इसे 12 साल की उम्र तक टाला जा सकता है।

अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियन्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स जैसे प्रमुख चिकित्सा समूहों ने टायलनॉल को गर्भावस्था में दर्द और बुखार के लिए सबसे सुरक्षित विकल्प बताया है। हालांकि, ट्रंप के स्वास्थ्य सलाहकार रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने ऑटिज्म के कारणों की खोज को अपनी प्राथमिकता बनाया है। कैनेडी ने दशकों तक वैक्सीन को ऑटिज्म से जोड़ने के खारिज किए गए दावों को बढ़ावा दिया है।

अदालतें वसूली के लिए रिकवरी एजेंट नहीं, SC ने किस मामले में की सख्त टिप्पणी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों को रिकवरी एजेंट की तरह काम करने से सख्त मना किया है। कोर्ट का कहना है कि दीवानी मामलों को आपराधिक केस में बदलने की प्रक्रिया कम होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह ने मामले पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पैसे वसूलने के लिए किसी को गिरफ्तार करने का ट्रेंड आजकल आम हो गया है। पैसे की रिकवरी के लिए कई लोग आपराधिक मामले दर्ज करवा देते हैं, जबकि यह एक दीवानी मामला होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनवाई उत्तर प्रदेश में बढ़ते आपराधिक मामलों के संदर्भ में की थी। एक मामले में पैसे की वसूली के लिए व्यक्ति के खिलाफ किडनैपिंग का मामला दर्ज कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष रखा। उनका कहना है कि ऐसे मामलों में पुलिस बीच में फंस जाती है। अगर दीवानी मामलों में पुलिस केस दर्ज नहीं करती है, तो अदालत से फटकार सुनने को मिलती है और अगर केस दर्ज होता है, तो इसे पक्षपात और कानून के खिलाफ बताया जाता है।

जस्टिस कांत ने कहा, पुलिस को केस दर्ज करते समय अपने दिमाग का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे आपराधिक कानून का उल्लंघन न हो और न्यायिक प्रणाली में मुश्किल न आए। कोर्ट के अनुसार, कोर्ट विवादित पक्षों के लिए कोई रिकवरी एजेंट नहीं हैं। यह न्यायिक प्रणाली में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारतीय से शादी के बाद यूक्रेनी महिला बनी विक्टोरिया चक्रवर्ती, गिनाए तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन की एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उसने भारतीय पुरुषों से शादी करने के बाद आए बदलाव गिनाए हैं। इस महिला का नाम विक्टोरिया चक्रवर्ती है, जो पिछले 8 सालों से भारत में रह रही हैं।

विक्टोरिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो शादी के बाद आए कुछ बड़े बदलावों की तरफ इशारा करती दिखाई दे रही हैं।

विक्टोरिया का कहना है कि भारतीय पुरुष से शादी करने के बाद उनकी ड्रेसिंग स्टाइल से लेकर देसी खाने और स्थानीय त्योहारों ने उनकी जिंदगी बदल दी है। इससे जीवन में ढेर सारी खुशियां आ गई हैं।

वीडियो के कैप्शन में 3 बदलावों का जिक्र करते हुए विक्टोरिया ने कहा- साड़ी मेरे वॉर्डरोब का अहम हिस्सा बन चुकी है। मैं किसी शादी या फंक्शन में बिना साड़ी के जाने के बारे में सोच भी नहीं सकती हूं।

भारतीय पारंपरिक खाना बेहद स्वादिष्ट होता है। खासकर हाथ से खाते समय इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाता है। मेरे लिए त्योहार पूरे साल का सबसे पसंदीदा समय होता है। रंग, लाइट्स और जश्न का हिस्सा बनकर मुझे घर जैसा एहसास होता है।

भारतीय हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों के लिए जारी रहेगी 'No Entry'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद रखने की समयसीमा को फिर से बढ़ा दिया गया है। पड़ोसी मुल्क के सैन्य या नागरिक विमान 24 अक्टूबर तक भारत के एयरस्पेस में एंट्री नहीं कर सकेंगे। पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 24 अक्टूबर तक बंद रखने की घोषणा कर दी है।

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद किया था, जिसके बाद में पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद रखने का एलान कर दिया था।

भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग नोटिस टू एयरमैन जारी किया है, जिसमें एयरस्पेस बंद रखने का आदेश दिया गया है। भारत के द्वारा आज जारी किए गए इस आदेश के अनुसार, सैन्य विमान समेत कोई भी पाकिस्तानी रजिस्टर एयरक्राफ्ट या पाकिस्तानी एयरलाइंस के द्वारा खरीदा और लीज पर लिए गए किसी भी एयरक्राफ्ट को भारतीय एयरस्पेस में एंट्री नहीं मिलेगी।

23 अक्टूबर की रात 11:59 बजे तक पाकिस्तान के सभी विमानों के लिए भारतीय एयरस्पेस पूरी तरह से बंद रहेगा।

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी।

कोलकाता में उड़ानों पर भी भारी बारिश का असर, 30 फ्लाइट रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक कोलकाता में जबरदस्त बारिश हुई। यह पिछले 4 महीने में सितंबर में हुई अब तक की सबसे ज्यादा बारिश है। मंगलवार की सुबह जब कोलकाता के लोग सोकर उठे, तो पूरा शहर जलमग्न हो गया था। सड़क, ट्रेन और यहां तक कि मेट्रो सेवा भी ठप हो गई।

इतनी बारिश का असर कोलकाता एयरपोर्ट पर भी पड़ा है। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट खराब मौसम के कारण विमानों का संचालन प्रभावित हुआ है। करीब 42 फ्लाइट डिले हो गई हैं और 30 फ्लाइट को रद करना पड़ा है।

औसत से कई गुना अधिक बारिश- 1 सितंबर से 22 सितंबर के बीच कोलकाता में केवल 178.6 मिमी बारिश हुई। जब कल सुबह 8.30 बजे से आज सुबह 8.30 बजे के बीच ही 247.4 मिमी बारिश हुई। इसमें से भी ज्यादातर बारिश रात के कुछ घंटों में हो गई। बारिश से जुड़ी घटनाओं के कारण 7 लोगों की मौत की भी खबर है।

कोलकाता के मेयर ने कहा है कि अगर अब बारिश नहीं हुई, तो शहर में स्थिति को सामान्य होने में कम से कम 12 घंटे लगेंगे। हालांकि मौसम विभाग का मानना है कि कम दबाव वाला क्षेत्र अगले 24 घंटों तक इसी क्षेत्र में बना रह सकता है। इस कारण शहर को अगले कुछ घंटों में और मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में कोलकाता में हुई बारिश शहर की औसत बारिश से 2663 फीसदी ज्यादा थी।

बेंगलुरु में सनसनीखेज वारदात, पति ने पत्नी को सरेआम चाकू घोंपकर मार डाला; 3 महीने पहले हुई थी शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। एक युवक ने अपनी 32 वर्षीय पत्नी को चाकुओं से घोंप कर मार डाला। हादसे के दौरान दंपत्ति की नाबालिग बेटी भी मौके पर मौजूद थी।

यह घटना सोमवार की है। 35 वर्षीय लोहिताश्व ने 3 महीने पहले ही रेखा नामक युवती से शादी रचाई थी। पुलिस के अनुसार यह दोनों की दूसरी शादी थी। आरोपी ने बस स्टैंड पर सरेआम पत्नी को मौत के घाट उतार दिया।

सरेआम की पत्नी की हत्या - पुलिस का कहना है कि आरोपी ने रेखा के सीने और पेट पर कई बार चाकुओं से वार किया। इस हादसे में रेखा बुरी तरह से लहूलुहान हो गई। हादसे के दौरान रेखा की बेटी भी घटनास्थल पर मौजूद थी, जिसने अपनी आंखों से मां का खून होते हुए देखा।

3 महीने पहले हुई थी शादी- घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि रेखा एक कॉल सेंटर में काम करती थी और लोहिताश्व एक कैब ड्राइवर है। एक दोस्त के जरिए दोनों की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद दोनों रिलेशनशिप में आ गए। लगभग डेढ़ साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने शादी कर ली थी।

पुलिस ने किया गिरफ्तार- इस वारदात की वजह पारिवारिक कलह को माना जा रहा है। पहली शादी से रेखा की एक बेटी थी, जो रेखा के मायके में अपने नानी-नाना के साथ रहती थी। शादी के बाद से ही रेखा और लोहिताश्व में अक्सर झगड़े होते थे। हादसे से पहले भी दोनों में काफी लड़ाई हुई, जिसके बाद रेखा बेटी को लेकर बस स्टैंड गई। इसी दौरान लोहिताश्व दोनों का पीछा करते हुए बस स्टैंड पहुंचा और रेखा को मौत के घाट उतार दिया।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, शनि शिंगणापुर देवस्थान ट्रस्ट बोर्ड भंग; कलेक्टर को सौंपी कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर स्थित शनैश्वर मंदिर ट्रस्ट बोर्ड को भंग कर दिया गया है। पिछले काफी समय से मंदिर ट्रस्ट पर धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे थे। इसपर एक्शन लेते हुए राज्य सरकार ने ट्रस्ट बोर्ड को ही भंग कर दिया।

शनि शिंगणापुर देवस्थान ट्रस्ट पर मंदिर का मैनेजमेंट सही तरह न करने, वित्तीय कुप्रबंधन और फर्जी ऐप के जरिए श्रद्धालुओं से पैसा वसूलने का आरोप लग रहा था। ऐसे में राज्य सरकार ने ट्रस्ट भंग करते हुए मंदिर का पूरा दारोमदार जिला कलेक्टर को सौंप दिया है।

जिला कलेक्टर पर जिम्मेदारी

महाराष्ट्र सरकार के नए आदेश के अनुसार, फिलहाल के लिए मंदिर का प्रशासन जिला कलेक्टर के हाथों में रहेगा। मंदिर की अचल संपत्ति से लेकर श्रद्धालुओं की सभी सुविधाओं का ध्यान रखना और धार्मिक कार्यक्रमों में पारदर्शिता बनाने की जिम्मेदारी जिला कलेक्टर की होगी।

बता दें कि शनि शिंगणापुर में स्थित शनैश्वर मंदिर महाराष्ट्र के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए इस मंदिर में पहुंचते हैं। हालांकि, पिछले काफी समय से मंदिर से ढेर सारी शिकायतें आ रही थीं। इसके लिए सरकार ने जांच शुरू करवाई थी।

जांच के बाद सरकार ने लिया फैसला- जांच पूरी होने के बाद राज्य सरकार ने ट्रस्ट को भंग करने का फैसला किया। सरकार ने भक्तों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए जिला कलेक्टर को मंदिर का जिम्मा सौंप दिया है। सरकार ने मंदिर में पारदर्शिता लाने और वित्तीय लेन-देन में सुधार के आदेश दिए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

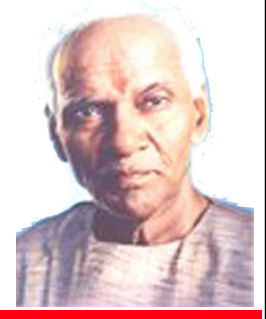

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

इन ओजस्वी पंक्तियों से जनमानस में चेतना जगाने वाले...

इन ओजस्वी पंक्तियों से जनमानस में चेतना जगाने वाले रामधारी सिंह दिनकर हिंदी साहित्य के उन युग-प्रवर्तक कवियों में से हैं, जिन्होंने अपनी रचनाओं में राष्ट्रीय चेतना को जीवंत किया। उनकी रचनाओं ने स्वतंत्रता संग्राम में युवाओं को प्रेरित किया और राष्ट्रवाद की भावना को जन-जन तक पहुँचाया। राष्ट्रकवि की उपाधि से सम्मानित दिनकर की रचनाएँ ओज, विद्रोह और जागृति का प्रतीक हैं। आधुनिक हिंदी काव्य में वीर रस के श्रेष्ठ कवि के रूप में स्थापित दिनकर का जन्म 23 सितंबर 1908 को बिहार के बेगूसराय जिले के सिमरिया गांव में एक साधारण कृषक परिवार में हुआ था। उनके पिता रवि सिंह और माता मनरूप देवी थीं। मात्र दो वर्ष की आयु में पिता का निधन हो जाने से उनका बचपन अभावों में बीता, लेकिन इसने उनके व्यक्तित्व को और निखारा। दिनकर ने पटना विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीति विज्ञान में स्नातक किया और संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी तथा उर्दू भाषाओं का गहन अध्ययन किया। उनकी रचनाएँ उस दौर की प्रतिनिधि हैं, जब भारत ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष कर रहा था।

रामधारी सिंह दिनकर का जीवन संघर्षों की गाथा है। सिमरिया गांव में जन्मे दिनकर की प्रारंभिक शिक्षा गांव की पाठशाला में हुई, जहाँ उन्होंने संस्कृत और हिंदी का प्राथमिक ज्ञान प्राप्त किया। पिता की मृत्यु के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई, लेकिन उनकी माता ने उन्हें शिक्षा की ओर प्रेरित किया। पटना विश्वविद्यालय से बी.ए. की डिग्री हासिल करने के बाद वे एक विद्यालय में अध्यापक बने, लेकिन उनका मन साहित्य और राष्ट्रीय आंदोलन की ओर अधिक झुका। 1934 से 1947 तक वे बिहार सरकार में सब-रजिस्टार और प्रचार विभाग के उपनिदेशक के पद पर कार्यरत रहे। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई और अपनी रचनाओं से जनता को जागृत किया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद दिनकर का करियर नई ऊँचाइयों पर पहुँचा। 1950 से 1952 तक वे मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज में हिंदी विभाग के अध्यक्ष रहे। 1952 में वे राज्यसभा सदस्य चुने गए और तीन बार (1952-1964) संसद में रहे। 1963 से 1965 तक भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति के रूप में उन्होंने शिक्षा जगत में योगदान दिया। बाद में भारत सरकार के हिंदी सलाहकार के रूप में कार्य किया।

दिनकर का व्यक्तित्व विरोधाभासों से भरा था, जो उन्हें एक अनोखा कवि बनाता है। स्वभाव से वे सौम्य, मृदुभाषी और शांत थे, लेकिन जब बात देश के हित की आती थी, तो वे बेबाक और आक्रामक हो जाते थे। वे राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे और मानते थे कि साहित्य समाज का दर्पण होना चाहिए। मार्क्सवाद से प्रभावित होने के बावजूद वे गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाते थे। उनका व्यक्तित्व क्रांतिकारी था; वे स्वतंत्रता पूर्व विद्रोही कवि के रूप में जाने जाते थे और बाद में राष्ट्रकवि बने।

उनके व्यक्तित्व में कोमलता और कठोरता का मिश्रण था। उनकी रचनाओं में वीरता के साथ-साथ प्रेम और करुणा की भावनाएँ भी झलकती थीं। वे सामाजिक असमानता, जातिवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ आवाज उठाते थे। दिनकर का मानना था कि कवि का दायित्व है कि वह समाज की कुरीतियों को उजागर करे। उनके मित्रों और समकालीनों के अनुसार, दिनकर सरल जीवन जीते थे और कभी घमंड नहीं करते थे।

भीकाजी कामा

भीकाजी रुस्तम कामा अथवा मैडम कामा का नाम क्रांतिकारी आन्दोलन में विशेष उल्लेखनीय है, जिन्होंने विदेश में रहकर भी भारतीय क्रांतिकारियों की भरपूर मदद की थी। उनके ओजस्वी लेख और भाषण क्रांतिकारीयों के लिए अत्यधिक प्रेरणा स्रोत बने। भीकाजी रुस्तम कामा भारतीय मूल की फ्राँसीसी नागरिक थीं, जिन्होंने लन्दन, जर्मनी तथा अमेरिका का भ्रमण कर भारत की स्वतंत्रता के पक्ष में माहौल बनाया। वे जर्मनी के स्टटगार्ट नगर में 22 अगस्त 1907 में हुई सातवीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में तिरंगा फहराने के लिए सुविख्यात हैं। उस समय तिरंगा वैसा नहीं था जैसा वर्तमान में है। ये मैडम कामा के नाम से प्रसिद्ध हैं।

जीवन परिचय- मैडम कामा का जन्म 24 सितंबर सन् 1861 में एक पारसी परिवार में हुआ था। मैडम कामा के पिता प्रसिद्ध व्यापारी थे। मैडम कामा ने अंग्रेज़ी माध्यम से शिक्षा प्राप्त की। अंग्रेज़ी भाषा पर उनका प्रभुत्व था। श्री रुस्तम के. आर. कामा के साथ उनका विवाह हुआ। वे दोनों अधिवक्ता होने के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता भी थे, किंतु दोनों के विचार भिन्न थे। रुस्तम कामा उनकी अपनी संस्कृति को महान् मानते थे, परंतु मैडम कामा अपने राष्ट्र के विचारों से प्रभावित थीं। उन्हें विश्वास था कि ब्रिटिश लोग भारत का छल कर रहे हैं। इसीलिए वे भारत की स्वतंत्रता के लिए सदा चिंतित रहती थीं। मैडम कामा ने श्रेष्ठ समाज सेवक दादाभाई नौरोजी के यहां सेक्रेटरी के पद पर कार्य किया। उन्होंने यूरोप में युवकों को एकत्र कर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए मार्गदर्शन किया तथा ब्रिटिश शासन के बारे में जानकारी दी। मैडम कामा ने लंदन में पुस्तक प्रकाशन का कार्य आरंभ किया। उन्होंने विशेषत- देशभक्ति पर आधारित पुस्तकों का प्रकाशन किया। वीर सावरकर की '1857 चा स्वातंत्र्य लढा' (1857 का स्वतंत्रता संग्राम) पुस्तक प्रकाशित करने के लिए उन्होंने सहायता की। मैडम कामा ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए क्रांतिकारियों को आर्थिक सहायता के साथ ही अन्य अनेक प्रकार से भी सहायता की। सन् 1907 में जर्मनी के स्ट्रटगार्ड नामक स्थानपर 'अंतरराष्ट्रीय साम्यवादी परिषद' संपन्न हुई थी। इस परिषद के लिए विविध देशों के हजारों प्रतिनिधी आए थे। उस परिषद में मैडम भीकाजी कामा ने साड़ी पहनकर भारतीय झंडा हाथ में लेकर लोगों को भारत के विषय में जानकारी दी।

भारत का पहला झंडा फहराया- मैडम भीकाजी कामा ने भारत का पहला झंडा फहराया, उसमें हरा, केसरिया तथा लाल रंग के पट्टे थे। लाल रंग यह शक्ति का प्रतीक है, केसरिया विजय का तथा हरा रंग साहस एवं उत्साह का प्रतीक है। उसी प्रकार 8 कमल के फूल भारत के 8 राज्यों के प्रतीक थे। 'वन्दे मातरम' यह देवनागरी अक्षरों में झंडे के मध्य में लिखा था। यह झंडा वीर सावरकर ने अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर बनाया था।

सामाजिक कार्य- जहाँ एक ओर परतंत्रता का दंश झेल रहा था वहीं सामाजिक स्तर पर भी पिछड़नेपन से जूझ रहा था। एक ओर औरतों को देवी बना कर उन्हें पूजनीय माना जाता था, वहीं इसका दूसरा पहलू था कि लड़कियों अभिशाप मानी जाती थीं। एक ओर जहाँ महिलाओं के सामने अपने ही समाज से लड़ने की चुनौती थी, तो दूसरी ओर स्वतंत्रता की लड़ाई में महती भूमिका निभाने की प्रबल इच्छा। ऐसे में अगर कोई स्त्री पूरी तरह से देश की स्वतंत्रता को ही अपने जीवन का लक्ष्य बना ले तो इसे अप्रतीम उदाहरण माना जाएगा। आज़ादी की लड़ाई में उन्हीं अग्रणियों में एक नाम आता है - मैडम भीकाजी कामा का। दृढ़ विचारों वाली भीकाजी ने अगस्त 1907 को जर्मनी में आयोजित सभा में भारत का झंडा फहराया था, जिसे वीर सावरकर और उनके कुछ साथियों ने मिलकर तैयार किया था, यह आज के तिरंगे से थोड़ा भिन्न था। भीकाजी ने स्वतंत्रता सेनानियों की आर्थिक मदद भी की और जब देश में प्लेग फैला तो अपनी जान की परवाह किए बगैर उनकी भरपूर सेवा की। स्वतंत्रता की लड़ाई में उन्होंने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वो बाद में लंदन चली गईं और उन्हें भारत आने की अनुमति नहीं मिली। लेकिन देश से दूर रहना उनके लिए संभव नहीं हो पाया और वो पुन- अपने वतन लौट आईं। सामाजिक कार्यों में अत्यधिक व्यस्त रहने के कारण उनका स्वास्थ बिगड़ गया, जिसके उपचार के लिए उन्हें 1902 ई. में इंग्लैण्ड जाना पडा। वहाँ वे भारतीय होम रूल समिति की सदस्या बन गईं। श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा उन्हें इण्डिया हाउस के क्रांतिकारी दस्ते में शामिल कर लिया गया।

क्रांति प्रसूता- 1907 ई. में स्टुटगार्ड (जर्मनी) में अंतर्राष्ट्रीय समाजवाद सम्मेलन में मैडम कामा ने तिरंगा झण्डा फहराया और घोषणा की- यह भारतीय स्वतंत्रता का ध्वज है। इसका जन्म हो चुका है। हिन्दुस्तान के युवा वीर सपूतों के रक्त से यह पहले ही पवित्र हो चुका है। यहाँ उपस्थित सभी महानुभावों से मेरा निवेदन है कि सब खड़े होकर हिन्दुस्तान की आज़ादी के इस ध्वज की वंदना करें सभी ने खड़े होकर ध्वज वंदना की। मैडम कामा को क्रांति-प्रसूता कहा जाने लगा। धनी परिवार में जन्म लेने के बावजूद इस साहसी महिला ने आदर्श और दृढ़ संकल्प के बल पर निरापद तथा सुखी जीवनवाले वातावरण को तिलांजलि दे दी और शक्ति के चरमोत्कर्ष पर पहुँचे साम्राज्य के विरुद्ध क्रांतिकारी कार्यों से उपजे खतरों तथा कठिनाइयों का सामना किया। श्रीमती कामा का बहुत बड़ा योगदान साम्राज्यवाद के विरुद्ध विश्व जनमत जाग्रत करना तथा विदेशी शासन से मुक्ति के लिए भारत की इच्छा को दावे के साथ प्रस्तुत करना था। भारत की स्वाधीनता के लिए लड़ते हुए उन्होंने लंबी अवधि तक निर्वासित जीवन बिताया था। वह अपने क्रांतिकारी विचार अपने समाचार-पत्र 'वंदेमातरम' तथा 'तलवार' में प्रकट करती थीं। श्रीमती कामा की लड़ाई दुनिया-भर के साम्रज्यवाद के विरुद्ध थी। वह भारत के स्वाधीनता आंदोलन के महत्त्व को खूब समझती थीं, जिसका लक्ष्य संपूर्ण पृथ्वी से साम्राज्यवाद के प्रभुत्व को समाप्त करना था। उनके सहयोगी उन्हें 'भारतीय क्रांति की माता' मानते थे; जबकि अंग्रेज़ उन्हें कुख्यात् महिला, खतरनाक क्रांतिकारी, अराजकतावादी क्रांतिकारी, ब्रिटिश विरोधी तथा असंगत कहते थे। यूरोप के समाजवादी समुदाय में श्रीमती कामा का पर्याप्त प्रभाव था। यह उस समय स्पष्ट हुआ जब उन्होंने यूरोपीय पत्रकारों को अपने देश-भक्तों के बचाव के लिए आमंत्रित किया। वह 'भारतीय राष्ट्रीयता की महान् पुजारिन' के नाम से विख्यात थीं। फ्रांसीसी अखबारों में उनका चित्र जोन ऑफ आर्क के साथ आया। यह इस तथ्य की भावपूर्ण अभिव्यक्ति थी कि श्रीमती कामा का यूरोप के राष्ट्रीय तथा लोकतांत्रिक समाज में विशिष्ट स्थान था।

पत्र का प्रकाशन - धीरे-धीरे मैडम कामा की क्रांतिकारी गतिविधियाँ बढ़ती गई। इससे पहले कि अंग्रेज़ सरकार उन्हें गिरफ्तार करे, वे फ्रांस चली गई तथा वहाँ से वन्दे मातरम नामक क्रांतिकारी पत्र का प्रकाशन प्रारम्भ किया। अपनी सम्पादकीय में वे कितनी उग्र भाषा का प्रयोग करती थीं। इसका एक उदाहरण धीरे-धीरे गोली चलाना सीख लो। अब वह समय ज़्यादा दूर नहीं, जब तुम्हें अपनी प्रिय हिन्दुस्तानी सरजमीं से अंग्रेज़ों को मार भागने के लिए कहा जाएगा।

'मदन तलवार- इसी कालावधि में सावरकर जी का '1857 का स्वतंत्रता समर ग्रंथ प्रकाशित हुआ। उन्होंने घोषित किया कि ब्रिटिश शासन द्वारा प्रतिबंधित ग्रंथ की प्रतियां अपने पैरिस के अधिवास (पता) पर उपलब्ध होंगी। इस ग्रंथ का अनुवाद भी उन्होंने एवं पी. टी. आचार्य जी ने फ्रेंच भाषा में प्रकाशित किए। मदनलाल धिंगरा जी के कर्जन वायली का वध करने पर 5 अगस्त 1907 को सावरकर जी से मिलने के लिए मैडम कामा लंदन आकर गईं। मदन लाल जी की स्मृति में उन्होंने 'मदन तलवार नामक नियतकालिक भी सितंबर 1909 को आरंभ किया।

वीर सावरकर और मैडम कामा- जनवरी 1910 के प्रथम सप्ताह में क्रांति के कार्य की भागदौड से सावरकर जी का स्वास्थ्य बिगड गया। विश्राम के लिए तथा स्थानपालट हेतु वे लंदन से पैरिस मैडम कामा के यहां आए। अब तक मैडम कामा उनकी दूसरी माँ ही बन गई थीं। इस असाधारण माँ ने 2 माह तक सावरकरजी की सेवा की। तब तक महाराष्ट्र के नासिक में अनंत कान्हेरे जी ने जैक्सन का वध किया था। इस घटना का संबंध सावरकर जी से हो सकता है, यह जानकर पूछताछ चालू हो गई। सावरकर जी ने ही संबंधित पिस्तौल हिंदुस्तान में भेजी थी। हिंदुस्तान एवं लंदन में अपने सहकारी संकट में होते हुए स्वयं फ्रांस में रहना उचित नहीं, यह जानकर सावरकर जी लंदन लौटने लगे।

क्या कम होंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें? कच्चे तेल के दाम में लगातार गिरावट

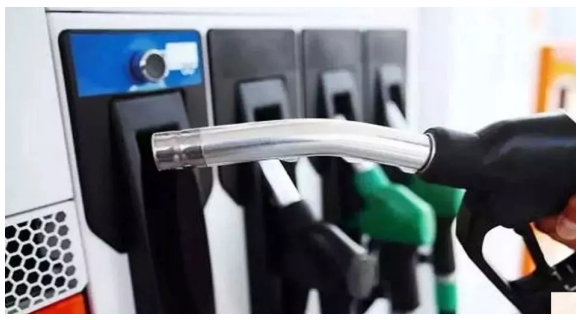

नई दिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल के दामों में लगातार गिरावट होने से पेट्रोल-डीजल की कीमतों के मोर्चे पर आम आदमी को राहत मिल सकती है। दरअसल, पिछले 5 दिनों में ब्रेंट क्रूड का प्राइस 2.50 फीसदी तक टूट गया है। आज भी ब्रेंट क्रूड 67 डॉलर के नीचे कारोबार कर रहा है। उधर, इराक और तुर्की के बीच कुर्दिस्तान से कच्चे तेल का निर्यात फिर से शुरू करने के समझौते की खबर के बाद, अतिरिक्त ग्लोबल सप्लाई से जुड़ी चिंताओं को लेकर तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है।

क्रूड की कीमतों में गिरावट के चलते पेट्रोल-डीजल के दाम प्रभावित होते हैं। भारत में ऑयल मार्केटिंग कंपनियां, जैसे- आईओसी, बीपीसीएल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम, रोजाना ईंधन की कीमतों की समीक्षा कर नए रेट जारी करती हैं। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी जा रही है तो तेल कंपनियां त्योहारी सीजन में कीमतों में कटौती कर बड़ी राहत दे सकती हैं।

कहां है ट्रेड कर रही कच्चे तेल की कीमतें- इंटरनेशनल मार्केट में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई की कीमतें दोनों क्रमशः 66.80 और 62.60 प्रति बैरल पर आ गई हैं। इससे पहले 22 सितंबर को यूरोप और मीडिल ईस्ट में भू-राजनीतिक तनावों के कारण तेल की कीमतों में तेजी आई थी। हालाँकि, आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद और वैश्विक ईंधन माँग पर व्यापार शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंताओं ने ऑयल की कीमतों में इस बढ़त को सीमित कर दिया।

तेल कंपनियां रोज करती हैं कीमतों की समीक्षा- पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां, रोजाना अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी विनिमय दरों के आधार पर भारत में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों की समीक्षा करती हैं। इससे पहले पिछले साल 14 मार्च को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी, जो 15 मार्च से प्रभावी हुई।

पेनी स्टॉक बना मल्टीबैगर, 3 रुपये से 200 रुपये के पार शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेनी स्टॉक रहा एलीटकॉन इंटरनेशनल एक साल में ही मल्टीबैगर बन गया है। कंपनी के शेयर एक साल में 3 रुपये से बढ़कर 200 रुपये के पार पहुंच गए हैं। एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयर मंगलवार को क्चस्श्व में 5 पर्सेंट के उछाल के साथ 204.85 रुपये पर बंद हुए हैं। पांच दिन में कंपनी के शेयर 21 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। वहीं, पिछले एक साल में एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयरों में 6700 पर्सेंट से अधिक का जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। कंपनी अपने शेयर का बंटवारा भी कर चुकी है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 422.65 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 2.82 रुपये है।

एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयर 27 सितंबर 2024 को 3 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 23 सितंबर 2025 को 204.85 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 6728 पर्सेंट की तेजी आई है। अगर किसी व्यक्ति ने 27 सितंबर 2024 को एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो एक लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की मौजूदा वैल्यू 68.28 लाख रुपये होती। एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयरों में इस साल अब तक 1875 पर्सेंट की तेजी आई है।

नो कॉस्ट ईएमआई और बीएनपीएल... दोनों पर ब्याज नहीं, लेकिन जरूरत के हिसाब से आपके लिए क्या है सही?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से लागू हो गई हैं और आज 23 सितंबर से फ्लिपकार्ट व अमेजन पर त्योहारी सेल की शुरुआत हो गई है। टैक्स की दरें कम होने के बाद करोड़ों लोग दुकानों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शॉपिंग के लिए टूट पड़े हैं। खास बात है कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एक्स्ट्रा डिस्काउंट और क्रेडिट कार्ड्स पर नो कॉस्ट ईएमआई समेत BNPL जैसी सुविधाएं तक दे रहे हैं।

खास बात है कि नो कॉस्ट ईएमआई में जहां सामान किस्तों पर आ जाएगा। वहीं, बाय नाऊ पे लेटर के तहत प्रोडक्ट खरीदने के बाद पेमेंट क्रेडिट कार्ड की तरह एक खास अवधि तक कर सकते हैं। अगर आप भी इस त्योहारी सेल में नो कॉस्ट ईएमआई या बीएनपीएल के तहत सामान खरीदना चाहते हैं तो इन दोनों सुविधाओं के फायदे जान लें।

क्या है BNPL सुविधा- बाय नाऊ पे लेटर एक शॉर्ट टर्म लोन जैसा विकल्प है जो कंज्यूमर्स को तुरंत सामान खरीदने और बाद में उसका भुगतान करने की सुविधा देता है। खास बात है कि इसमें कोई ब्याज नहीं लगता है। पैसा चुकाने की अवधि हर प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग हो सकती है।

-BNPL की सुविधा कम से कम या बिना किसी डॉक्यूमेंट्स के मिल जाती है।

-पूर्व निर्धारित अवधि (आमतौर पर 15-90 दिन) के भीतर पेमेंट करने पर कोई ब्याज नहीं देना होता है।

-ऑनलाइन व ऑफलाइन स्टोर दोनों पर खरीदारी के दौरान यह सुविधा

छोटी से मध्यम आकार की खरीदारी (1,000-50,000) के लिए यह एक अच्छी सुविधा है, खासकर जब आप ईएमआई का बोझ नहीं चाहते हो।

ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की शॉपिंग में क्रेडिट कार्ड पर ईएमआई व नो कॉस्ट ईएमआई का लाभ लिया जा सकता है।

-जहां, ईएमआई पर ब्याज के साथ 3, 6 महीने या सालभर में पैसों का भुगतान करना होता है।

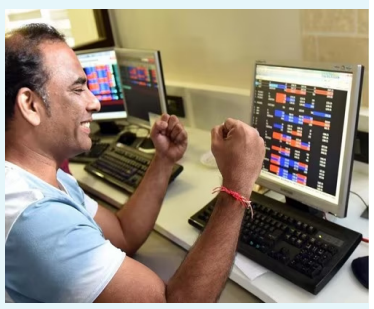

10 पर जाएगा यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- हाई रिस्क के साथ लगा सकते हैं दांव, रॉकेट बना भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज से जूझ रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार, 23 सितंबर को दिन के निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी देखने को मिली। स्टॉक में अचानक आखिरी मिनटों में तेज उछाल आया और यह लगभग 7% तक चढ़ गया। दिलचस्प बात यह है कि इस उछाल के पीछे कोई सीधा ट्रिगर सामने नहीं आया है। यह लगातार तीसरी बार है जब पिछले चार ट्रेडिंग सत्रों में कंपनी का शेयर बढ़त के साथ बंद हुआ है। वहीं, पिछले 12 ट्रेडिंग सत्रों में से आठ में शेयर ने सकारात्मक रुझान दिखाया है। पिछले हफ्ते स्टॉक में उछाल उस समय देखने को मिला था जब सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी की AGR बकाया से जुड़ी याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। पिछली शुक्रवार हुई सुनवाई में सरकार ने कहा कि वह वोडाफोन आइडिया की AGR याचिका का विरोध नहीं कर रही, लेकिन समाधान ढूंढना ज़रूरी है क्योंकि सरकार स्वयं कंपनी में हिस्सेदार है। मामला अब शुक्रवार, 26 सितंबर को फिर से सुना जाएगा।

वोडाफोन आइडिया के कुछ बकाए को इक्विटी में बदल दिया गया है, जिसके बाद सरकार की हिस्सेदारी 49त्न हो गई है। इस कदम के बाद सरकार कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है।

Gold ने MCX पर तोड़ दिए सारे रिकॉर्ड, कीमत पहुंची 114000 के पार; फिर भी भर-भरकर सोना क्यों खरीद रहे लोग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोल्ड ने एक बार फिर से स्ष्टङ्क यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सारे रिकॉर्ड को तोड़ दिए हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 114179 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। आज यानी 23 सितंबर 2025 को एमसीएक्स पर गोल्ड 112200 रुपये के स्तर पर ओपन हुआ था। और यह 114179 रुपये के स्तर तक गया।

एक्सपर्ट ने बताया क्यों भाग रहा तथ्द्यस्त्र मेहता इक्विटीज के कमोडिटीज़ के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा, अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती और साल के अंत तक अतिरिक्त रियायतों की संभावनाओं ने सोने के प्रति धारणा को मजबूत किया है, जबकि डॉलर इंडेक्स में नरमी और रुपये में कमजोरी ने भी इसमें तेजी ला दी है। केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी, ETF में मजबूत निवेश और सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी ने कीमती धातुओं की मजबूती को और बढ़ाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की उपाध्यक्ष और एस्पेक्ट ग्लोबल वेंचर्स की कार्यकारी अध्यक्ष अक्षा कंबोज ने इस बात पर जोर दिया कि सोने की कीमतें पीछे हटने के बजाय बढ़ गई हैं, और जिन लोगों ने सोना खरीदा है, वे बेचने के बजाय अपने पोजीशन को बनाए रखना पसंद कर रहे हैं।

सोना ही नहीं, चांदी भी रफ्तार के साथ भाग रही है। मंगलवार, 23 सितंबर को सुबह के कारोबार में MCX पर सोने और चांदी की कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गईं। एमसीएक्स सोना अक्टूबर वायदा लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर 1,14,163 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया, जबकि एमसीएक्स चांदी दिसंबर वायदा एक प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,34,980 प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया।

कंपनी का एक स्पष्टीकरण और 3400 चढ़ गया यह शेयर, रच दिया इतिहास, रिकॉर्ड हाई पर भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी टायर निर्माता कंपनी एमआरएफ लिमिटेड के शेयर मंगलवार, 23 सितंबर को अपने अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर आज 3,464 रुपये यानी 2% चढ़कर 156250 रुपये पर आ गए। यह इसका 52 वीक का नया हाई प्राइस भी रहा। बता दें कि कंपनी के शेयरों में इस तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को एक स्पष्टीकरण जारी किया। इसमें कंपनी ने उस खबर का खंडन किया, जिसमें दावा किया गया था कि चेन्नई के उत्तर क्षेत्र स्थित तिरुवोट्टियूर प्लांट में हड़ताल की वजह से उत्पादन प्रभावित हुआ है।

कंपनी ने कहा, फैक्ट्री का संचालन आंशिक रूप से जारी है, जहां वे कामगार काम कर रहे हैं जो हड़ताल का हिस्सा नहीं हैं। कंपनी जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बीएमएचआरसी में नर्सिंग छात्रा की मौत से मचा हड़कंप, लापरवाही का आरोप, निदेशक के इस्तीफे की मांग

भोपाल। भोपाल मेमोरियल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) में प्रथम वर्ष की नर्सिंग छात्रा की मौत से हड़कंप मच गया है। छात्रा की मृत्यु का कारण अस्पताल प्रशासन और प्रभारी निदेशक मनीषा श्रीवास्तव की गंभीर लापरवाही बताया जा रहा है। इस घटना के बाद छात्रों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में धरना शुरू कर दिया है।

गंदा पानी और खराब व्यवस्था

नर्सिंग छात्र लगातार हास्टल में गंदे और दूषित पानी, खराब भोजन और साफ-सफाई की समस्याओं की शिकायत करते आ रहे थे। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने आरोप लगाया कि छात्रा की तबीयत खराब होने के बावजूद उसे क्लिनिकल ड्यूटी के लिए मजबूर किया गया। हालत बिगड़ने पर भी उसे उचित इलाज देने की बजाय छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। प्रशासन की इस लापरवाही ने एक होनहार छात्रा की जान ले ली।

बीएमएचआरसी में कुप्रबंधन के आरोप-एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि बीएमएचआरसी भोपाल का सबसे पुराना और बड़ा अस्पताल है, कुप्रबंधन के कारण बदहाल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभारी निदेशक मनीषा श्रीवास्तव का ध्यान अस्पताल की व्यवस्थाओं पर नहीं है। वे टेंडरों और अपने पुत्र के निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के प्रचार में ज्यादा सक्रिय रहती हैं। यही कारण है कि अस्पताल की सेवाएं लगातार गिर रही हैं।

छात्रों की मांगें और चेतावनी-एनएसयूआई ने चार प्रमुख मांगें रखी हैं प्रभारी निदेशक को तत्काल पद से हटाया जाए, छात्रा की मौत की उच्च-स्तरीय जांच हो, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और नर्सिंग छात्रों को सुरक्षित वातावरण मिले। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बीएमएचआरसी प्रशासन को 22 सितंबर को पता चला कि संस्थान के नर्सिंग कॉलेज के फर्स्ट इयर की छात्रा शुभांगीनी दशहरे का भोपाल के एक अस्पताल में देहांत हो गया है। पूरे बीएमएचआरसी के लिए यह दुख का समय है। बीएमएचआरसी प्रबंधन नर्सिंग कॉलेज की छात्रा शुभांगीनी के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। संस्था की पूरी टीम इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती है।

आज प्रातः जब नर्सिंग कॉलेज के कुछ विद्यार्थी प्रशासनिक परिसर में अपनी बात रखने आए, तो बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने स्वयं उनसे मुलाकात की। विद्यार्थियों की समस्त बातों को गंभीरता से सुना गया और त्वरित कार्यवाही का भरोसा भी दिलाया गया।

विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए आरोप कि संस्था की कैंटीन में मिलने वाले भोजन और पानी की गुणवत्ता खराब है, पूरी तरह निराधार हैं। संस्थान में पीने के लिए उपयोग होने वाले पानी की समय-समय पर वैज्ञानिक जांच कराई जाती है। हाल ही में 9 सितंबर 2025 को कराई गई जांच में पानी पूरी तरह सुरक्षित पाया गया।

- डॉ मनीषा श्रीवास्तव,
प्रभारी निदेशक,
बीएमएचआरसी

नवरात्रि का दिया तोहफा, ट्रेन में परोसा जाएगा फलाहारी भोजन, इतनी होगी कीमत

ग्वालियर। नवरात्र के दौरान उपवास रखकर ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों की सुविधा के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन ने फलाहारी मैन्यू की शुरुआत की है। रेलवे ने यात्रियों के लिए सात्विक भोजन और फलाहारी भोजन की सुविधा शुरू कर दी है।

ऐप से बुक कर सकेंगे खाना-सात्विक आहार के मैन्यू में साबूदाने से लेकर सेंधा नमक जैसी चीजें शामिल की हैं। जीरा आलू, आलू की टिक्की, साबूदाना की खिचड़ी, साबूदाना बड़ा, मलाई बर्फी, लस्सी, सूखे मखाने, व्रत में खाई जाने वाली सब्जियां, मूंगफली नमकीन और सादा दही को शामिल किया गया है। इसके लिए ढ्ढक्रष्टञ्जष्ट की ई-कैटरिंग वेबसाइट या ऐप पर बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यहां ऑनलाइन पेमेंट या पे ऑन डिलीवरी दोनों ही विकल्प हैं। ऑर्डर करने पर संबंधित स्टेशन पर यात्री को अपनी बर्थ पर ही खाना मिल जाएगा। इन सात्विक थालियों की कीमत 100 से 200 रुपये के बीच है। वंदे भारत एक्सप्रेस में अब मिलेगी एक लीटर रेल नीर की बोतल

भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से ग्वालियर होते हुए हजरत निजामुद्दीन जाने वाली वंदे भारत, खजुराहो वंदे भारत सहित अब सभी वंदे भारत ट्रेनों में यात्रियों को फिर से एक लीटर रेल नीर उपलब्ध कराया

चित्रकूट में कुएं में गिरने से मासूम की मौत, अपहरण की अफवाह से गांव में मचा हड़कंप

सतना। जिले के चित्रकूट थाना क्षेत्र के पालदेव ग्राम पंचायत के जुगुलपुर गांव में सोमवार को 5 साल की मासूम प्रियंका (पुत्री संतशरण अनुरागी) की मौत से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

शुरूआती जानकारी में बच्ची के अपहरण की अफवाह ने ग्रामीणों और परिजनों को दहशत में डाल दिया था, लेकिन पुलिस जांच में सच्चाई सामने आई कि बच्ची खेलते-खेलते दुर्गा पंडाल के पास स्थित कुएं में गिर गई थी।

घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एक बच्चे ने दावा किया था कि उसने प्रियंका को एक चारपहिया वाहन से आए युवक के साथ जाते देखा है।

इस सूचना पर ग्रामीण और परिजन स्तब्ध रह गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। अपहरण की आशंका के चलते पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सर्चिंग अभियान शुरू किया।

सूचना मिलते ही एसडीओपी चित्रकूट राजेश बंजारे, थाना प्रभारी डी.आर. शर्मा मौके पर पहुंचे और बारीकी से छानबीन शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और आसपास की तलाशी भी कराई गई।

आशंका के चलते दुर्गा पंडाल के पास स्थित कुएं की कांटे डालकर तलाशी ली गई। देर रात पुलिस ने कुएं से मासूम का शव बरामद किया।

एएसपी ग्रामीण प्रेमलाल कुर्वे भी जिला मुख्यालय से घटनास्थल के लिए रवाना हुए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अपहरण की खबर अफवाह थी, बच्ची खेलते समय कुएं में गिर गई और उसकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने पूरे पालदेव क्षेत्र को झकझोर दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ऑनलाइन खरीदारी पर बड़े ऑफर... यह रखें सावधानी, नहीं तो हो जाएंगे ठगी का शिकार

ग्वालियर। नवरात्र प्रारंभ होते ही ई-कामर्स कंपनियों की वेबसाइट पर आफर की वर्षा हो रही है। सभी कंपनियां ग्राहकों को लुभाने के लिए यह आफर दे रही हैं। वहीं कंपनियों द्वारा सेल भी शुरू की गई है। ऐसे में ठग भी सक्रिय हो जाते हैं। अगर आप भी ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है। क्योंकि आपकी छोटी सी चूक भारी पड़ सकती है और आप ठगी का शिकार हो सकते हैं। पुलिस द्वारा भी इसे लेकर एडवाइजरी जारी की जा रही है। जिससे लोगों को ठगों से बचाया जा सके।

कैशबैक के लालच में डाटा सेव न करें-ई-कामर्स कंपनियों की वेबसाइट से खरीदारी करते समय कई लोग कैशबैक के लालच में ऑनलाइन भुगतान करते हैं। ऑनलाइन भुगतान करते समय सुरक्षा का पूरा ख्याल रखें, यह सबसे जरूरी है। कई लोग क्रेडिट-डेबिट कार्ड की जानकारी सेव कर देते हैं। ऐसा कतई न करें। सेव के आप्शन पर क्लिक न करें। जिससे आपके क्रेडिट-डेबिट कार्ड की जानकारी ठगों तक न पहुंच सके। ओटीपी का विकल्प ही चुनें

ऑनलाइन भुगतान में अपने डेबिट और क्रेडिट कार्ड का एप्लीकेशन मोबाइल में जरूर डाउनलोड करें। ऐसे में ओटीपी का विकल्प ही चुनें। जिससे जब भी आप भुगतान करें तो मोबाइल पर ओटीपी आए। ऐसे में अगर आपके डेबिट, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर कोई ठगी का प्रयास करता है तो ओटीपी मोबाइल पर आएगा।

अधिकृत कंपनियों से ही करें खरीदारी-इस समय ठग इंटरनेट मीडिया पर भी लुभावने आफर देते हैं। सस्ते के जाल में न फंसें। अधिकृत कंपनियों की वेबसाइट से ही खरीदारी करें। जितनी बड़ी कंपनियां हैं, इनमें लोगों को ठगों से बचाने के लिए अलग-अलग लेयर में सुरक्षा प्रदान की जाती है और डाटा भी सुरक्षित रखा जाता है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर सस्ते के लालच में लोग पहले भुगतान कर देते हैं। ऐसे ठगों से बचने की जरूरत है।

कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प सबसे बेहतर-साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि ऐसे में कैश आन डिलीवरी का विकल्प सबसे बेहतर है। यह विकल्प चुनने पर पहले भुगतान नहीं करना होता। कैश आन डिलीवरी का विकल्प चुनने के बाद भी डिलीवरी के समय उत्पाद तुरंत जांच लें। इसके बाद भी भुगतान करें।

सेवा पखवाड़ा अभियान में कहीं सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण तो कहीं जल संरक्षण के लिए विद्यार्थियों ने उकेरे चित्र

संभाग में सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आयोजित हो रही भांति-भांति की गतिविधियां

इंदौर। प्रदेश में 17 सितम्बर से सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस अभियान में इंदौर संभाग के जिलों में कई तरह की गतिविधियां आयोजित कर आम नागरिकों को सुविधाएं देने के कार्य किये जा रहे हैं। इसी अभियान के अंतर्गत बुरहानपुर में शाहपुर के शासकीय चिकित्सालय में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य रूप से सफाई मित्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनके स्वास्थ्य की जांच की गई। शिविर में सफाई मित्रों का ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, खून की जांच, एक्स-रे सहित अन्य जांच करने के पश्चात डॉक्टर्स द्वारा आवश्यक उपचार के लिए परामर्श दिया गया। साथ ही प्रत्येक सफाई मित्र की व्यक्तिगत जाँच कर उन्हें उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की।

खरगोन में आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेद फ़ॉर पीपुल्स एंड प्लानेट थीम पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अंजनगांव में आमजनों के स्वास्थ्य परीक्षण कर दिनचर्या और ऋतुचर्या तथा औषधीय पौधों की जानकारी दी गई। आयुष विभाग द्वारा दसनावल, टेमरणी, लोनारा और बोरावा की शासकीय स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया गया।

झाबुआ में पीएम श्री कन्या उमावि में स्वच्छता विषय पर निबंध लेखन और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व भी है। इसे हम सब मिलकर पूरा कर सकते हैं। इससे स्वच्छता के साथ ही हमारे स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है।

खंडवा में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गए। इन शिविरों में 234 महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। स्वास्थ्य परीक्षण में बीपी, शुगर, खून की जांच,एक्सरे, फैटी लिवर सहित सामान्य बुखार व सर्दी खांसी की समस्याओं की जांच भी की गई।

बड़वानी में नर्मदा किनारे स्थित राजघाट पर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। साथ ही स्कूली विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से जनजागरण का कार्य भी किया।

शासकीय स्कूलों के 51 शिक्षक नेशन बिल्डर अवार्ड से सम्मानित

इंदौर। रोटरी क्लब ऑफ इंदौर प्रोफेशनल्स द्वारा जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के 51 शिक्षकों को नेशन बिल्डर अवार्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि रेनांसा यूनिवर्सिटी के निदेशक एवं शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे अहम कड़ी है और यह सबसे सम्मानजनक पेशा है। विशेष अतिथि संयुक्त संचालक, शिक्षा विभाग, इंदौर अनीता चौहान ने कहा कि अभाव में भी व कम संसाधनों में भी सरकारी स्कूलों के शिक्षक अपने प्रयासों के द्वारा विद्यार्थियों में उत्कृष्टता लाते हैं। रोटरी मंडलाध्यक्ष सुशील मल्होत्रा ने आधुनिक शिक्षा में संस्कारों के समावेश के महत्व पर प्रकाश डाला व बताया की किस तरह रोटरी पूर्ण विश्व मे समाज सेवा के नए मापदंड स्थापित कर रहा है। पूर्व रोटरी जोन चेयरमेन नितिन डफ़रिया ने बताया कि किस तरह रोटरी अपनी गतिविधियों के द्वारा राष्ट्र में पूर्ण शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास कर रहा है।

सूर्योदय पर शुभ मुहूर्त में मंत्रोच्चार के साथ हुई घट स्थापना... देवी भागवत कथा में भक्तों ने सुना भगवान शिव और भगवती सती के विवाह का दिव्य

इंदौर। इंदौर में हो रहे 'अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव' की शुरुआत सोमवार को सूर्योदय पर शुभ मुहूर्त में मंत्रोच्चार के साथ घट स्थापना से हो गई। ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में होगा। आज सुबह घट स्थापना के बाद यज्ञ आहुतियों और शाम को देवी भागवत कथा में हजारों भक्तों और आचार्यश्री के अनुयायियों ने धर्म और भक्ति लाभ लिया।

कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने बताया कि इस बार विशेष नवरात्रि सर्वार्त्र सिद्धी योग के साथ ब्रह्म योग में एक तिथि वृद्धि के साथ सैकड़ों वर्षों में देखने में आई है। एक तिथि की वृद्धि के साथ ब्रह्म योग, सर्वार्त्र सिद्धी योग भी आया है, जो भक्तों को अनुष्ठान, पूजा, भक्ति से नवरात्रि के पर्व में अति विशेष सुख-शांति, समृद्धि का लाभ दिलाएगा। नवरात्रि महामहोत्सव के सभी कार्यक्रमों की शुरुआत सूर्योदय के समय 108 विशाल दिव्य अष्ट लक्ष्मी युक्त महाकलश, जिसमें विभिन्न औषधियां और समृद्धि दायक वस्तुओं को पूरित कर रखा गया है, उनकी स्थापना और मां महालक्ष्मी की प्रतिमा की स्थापना के साथ हो गई है। सोमवार को नवरात्रि के पहले दिन काशी से आए 145 विद्वान पंडितों ने 1 करोड़ कुमकुम अर्चन में से 10 लाख कुमकुम अर्चन की आराधना भी की। यज्ञ में 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं लाल और पुरुष सफेद वस्त्र में यज्ञ में बैठे।

कॉलेज के तशनबाज़' प्रतियोगिता में में प्रेस्टीज की साँवी ने मारी बाज़ी

इंदौर। प्रतिभा, आत्मविश्वास और जुनून का संगम उस समय देखने को मिला, जब प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (यूजी कैंपस) की फिल्म और डिजिटल कम्युनिकेशन विभाग की छात्रा साँवी पाध्य ने रेड एफएम द्वारा आयोजित बहुचर्चित प्रतियोगिता 'कॉलेज के तशनबाज़' के ग्रैंड फिनाले में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी कला का डंका बजा दिया।

रविंद्र नाट्य गृह ऑडिटोरियम में आयोजित इस रंगारंग फिनाले में साँवी ने अपने मनमोहक कथक नृत्य से दर्शकों और निर्णायकों का दिल जीत लिया। उनकी प्रस्तुति में भाव-भंगिमा की नजाकत, सधे हुए फुटवर्क, मनमोहक चक्कर और शारीरिक मुद्राओं की परिपूर्णता ने ऐसा प्रभाव छोड़ा कि पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए साँवी को विजेता की ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और 11,000 का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं सभी प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहनस्वरूप प्रमाण पत्र दिए गए।

ग्रैंड फिनाले में कुल 28 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता के लिए संभागायुक्त डॉ. खाड़े ई-स्कूटी से कार्यालय पहुँचे

इंदौर। इंदौर में आज पर्यावरण संरक्षण और यातायात सुधार के लिए नो कार डे मनाया गया। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने की जागरूकता के लिए इंदौर संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ई-स्कूटी से एमजी रोड़ स्थित मोती बंगला संभागायुक्त कार्यालय पहुँचे। वे आम नागरिकों के साथ जीपीओ से एमवाय हॉस्पिटल, मधुमिलन चौराहा और रीगल टॉकीज चौराहा फिर शास्त्री ब्रीज होकर अपने कार्यालय पहुँचे। कार्यालय में काम काज करने के पश्चात दोपहर 2 बजे रेसीडेंसी कोठी पर आयोजित हुई बैठक में शामिल होने के लिए भी ई-स्कूटी का उपयोग कर बैठक स्थल पर आए। उन्होंने कहा कि ÷नो कार डे÷ यह कदम बहुत सराहनीय है। नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना बहुत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कार्बन फुटप्रिंट में कमी के प्रति जागरूकता लाने की दिशा में बड़ा कदम बताया है।

चमत्कारी है हरसोला स्थित स्वयं-भू माँ भवानी माता मंदिर

इन्दौर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नौदिनी गरबा उत्सव के साथ माताजी की घटस्थापना के साथ नौ स्वरूपों को पूजा जाता है। वहीं इन्दौर के ग्राम हरसोला में स्वयं-भू माँ भवानी माता मंदिर इतिहास लगभग 400 वर्ष पुराना है। यहां पर स्वयं-भू माँ भवानी प्रतिमा निकली जिसका विधिवत पूजन वर्षों से किया जा रहा है। पं. बालकृष्ण शर्मा की चौथी पीढ़ी माँ भवानी का प्रतिदिन पूजन-पाठ कर उनकी सेवाएं दे रहे हैं।

जानकारी देते हुए समाजसेवी मदन परमालिया एवं पं. भरत शर्मा ने बताया कि माँ भवानी माता मंदिर चमत्कारी मंदिर होकर यहां पर अपने दिल से रखी गई बात, निश्चित रूप से पूरी होती है। ऐसे कई उदाहरण देखने और सुनने को मिले हैं। माँ रोजाना तीन स्वरूपों में अपने भक्तों को दर्शन देती है। सुबह बाल अवस्था, दोपहर में

युवा अवस्था और शाम को वृद्धावस्था रूप में माँ के दर्शन होते हैं। बाल अवस्था में जब बच्चे का जन्म होता है और वह बोल नहीं पाता है, तो अगर मंदिर में कैची चढ़ाने की मांग आप करते हैं तो निश्चित बच्चा बोलने लगता है। कैची किसी भी प्रकार की हो सकती है।

शारदीय नवरात्रि में 9 दिनों तक बाल कन्याओं द्वारा गरबा खेला जाता है। मातृशक्ति अपने मधुर आवाज में माँ के भजनों की प्रस्तुति देती है। लगभग 8 हजार स्के. फीट में मंदिर का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत तक हो चुका है, जिसमें जन सहयोग से श्रद्धालुगण योगदान दे रहे हैं। मंदिर में इन्दौर शहर के अलावा प्रदेश, देश-विदेश से भी भक्तगण अपनी श्रद्धा के साथ जुड़े हुए हैं और सभी की मनोकामना माँ भवानी के आशीर्वाद से पूर्ण हो रही है।

अमावस्य की शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन प्रतिमाह 200 से 300 कन्याओं का पाद पूजन कर उन्हें भोजन प्रसादी करवाई जाती है एवं नवरात्रि महोत्सव के बारस के दिन विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

प्रकृति, परंपरा और पत्रकारिता का संगम बनी पातालपानी-काला कुंड हेरिटेज यात्रा

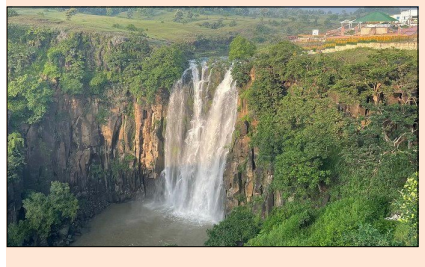

इंदौर। शनिवार का दिन मीडियाकर्मियों के लिए यादगार बन गया जब स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के लगभग 125 सदस्यीय पत्रकार दल ने पातालपानी से काला कुंड तक चलने वाली हेरिटेज ट्रेन यात्रा में हिस्सा लिया। यह यात्रा लगातार दूसरे वर्ष आयोजित हुई। यात्रा केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि धरोहर, संस्कृति और आत्मीयता का अद्भुत संगम बन गई।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में 'जन-जन के लिए आयुर्वेद, पृथ्वी के लिए आयुर्वेद' कार्यक्रम में स्वस्थ जीवन शैली का संदेश दिया गया

उज्जैन । सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार शाम को आयुर्वेद दिवस के अवसर भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ एवं फार्मेसी अध्ययनशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में जन-जन के लिए आयुर्वेद, पृथ्वी के लिए आयुर्वेद का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद की महत्ता को पुनः स्मरण कराना और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में उसकी प्रासंगिकता को समझना रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उज्जैन के आयुष विभाग से डॉ. अमर राठौर, चिकित्सा अधिकारी (होम्योपैथी) एवं डॉ. श्वेता गुजराती, चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेदा) और डॉ. संगीता शर्मा चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेदा)

उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिवार की ओर से दोनों विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंट कर स्वागत-अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद के महत्व और उसके औषधीय गुणों पर गहन चर्चा की गई। वक्ताओं ने बताया कि कैसे प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के इलाज और रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने आयुर्वेद से अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण÷ के बीच संबंधों पर भी प्रकाश डाला, यह दर्शाते हुए कि कैसे यह पारंपरिक ज्ञान वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित विभिन्न मॉडलों और प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया, जिसमें जड़ी-बूटियों के औषधीय उपयोगों को दर्शाया गया था। कार्यक्रम का समापन एक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी ने आयुर्वेद को अपने जीवन का हिस्सा बनाने और प्राकृतिक जीवन शैली को अपनाने का निश्चय किया।

अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा विज्ञान की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पद्धति न केवल रोगों के उपचार में, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पारम्परिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संतुलन बनाकर समाज के स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान दें।

कार्यक्रम का संचालन प्रभावशाली संक्रमण पंक्तियों के साथ हुआ तथा समापन पर आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज का दिवस प्रकृति के लिए महत्वपूर्ण है आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की एक सम्पूर्ण शैली है। आज जब विश्व आधुनिक तकनीक और दवाईयों पर निर्भर है, वहीं आयुर्वेद हमें संतुलित आहार, दिनचर्या और प्राकृतिक उपायों के माध्यम से हमें रोगों से बचना सिखाता हैं।

मुख्यमंत्री से मांग, प्रदेश में रावण दहन बंद करें

उज्जैन। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज द्वारा रावण दहन के विरोध में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्यालय जाकर प्रदेश में रावण दहन बंद करने के संबंध में ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन प्राप्त करने के लिए डिप्टी कलेक्टर राजेश बोरासी उपस्थित थे। पत्र का वाचन युवा ब्राह्मण समाज संस्थापक अध्यक्ष महेश पुजारी ने किया। ज्ञापन की छायाप्रति प्रधानमंत्री और मोहन भागवत संघ प्रमुख को भी भेजी गई हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि देश और प्रदेश में रावण दहन किया किया जाता हैं जो अनुचित हैं, वह शास्त्र सम्मत, विधि सम्मत ना होकर इसे राजनीति और मनोरंजन का आधार बना दिया गया है जो ब्राह्मण समुदाय एवं ब्राह्मणों के अस्तित्व पर बार-बार

चोट पहुंचाता है। देश ओर प्रदेश मे ऐसे कई अपराधी और अत्याचारी और भ्रष्टाचारी है जिन्होने अधर्म की सीमा पार की है। देश में निर्भया कांड जैसे कई अपराध और अत्याचार महिलाओं पर किए गए और किए जा रहे हैं तो इन अत्याचारियों, अपराधियों के पुतले क्यो नही जलाये जाते है?

रावण ज्ञानी था इसलिए राम ने रावण के आचार्यत्व मे रामेश्वरम् की स्थापना की और रामजी को विजय होने का आर्शीवाद दिया, जबकि वह जानता था कि इन्ही से मेरा युद्ध होना है फिर भी अपना ब्राह्मण धर्म निभाया। क्षत्रिय धर्म में महिला पर शस्त्र नहीं उठाया जाता लेकिन श्रीलक्ष्मणजी द्वारा शूर्पणखा के नाक कान द्वारा काट दिये गये। क्या यह क्षत्रिय धर्म में आता है? रामायण में एक और उल्लेख आता है जिसमें एक धोबी ने माता सीता के चरित्र पर आरोप लगाकर उन्हें पुनः वनवास करा दिया क्या यह न्याय संगत है? श्रीलक्ष्मणजी, धोबी की भी गलती थी तो इनके पुतले दहन करना समाज कैसे भूल गया केवल माता सीता के हरण को ही लेकर समाज अधर्म मानकर रावण दहन करता है या इस आड़ में ब्राह्मण समुदाय का अपमान करने की साजिश तो नहीं?

काठियावाड़ी गरबों के साथ प्रारंभ हुआ सिंधी समाज का 10 दिवसीय गरबा महोत्सव

उज्जैन। सिंधी समाज द्वारा इंदौर रोड स्थित पार्क पैलेस में माता की आराधना के साथ 10 दिवसीय गरबे की शुरुआत महेश परियानी के नेतृत्व में ऐतिहासिक रूप से हुई। आठ अलग-अलग ग्रुप ने माता के गरबे के साथ अपनी प्रस्तुतियां दी। पूरा माहौल गुजरात काठियावाड़ी हो गया। कई अतिथियों की मौजूदगी में सर्वप्रथम माता की भव्य आरती की गई। उसके बाद अलग-अलग ग्रुप ने रंग बिरंगी ड्रेसों में प्रस्तुतीयां दी। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष तौर पर लोकेश आडवाणी आदि।

जुड़वा वृक्षों को बचाने के लिए उज्जैन में पहली बार आज होगा चिपको आंदोलन

उज्जैन। वृक्षमित्र सेवा समिति और सभी पर्यावरण प्रेमी संस्थाओ के संयुक्त तत्वावधान मे आज उज्जैन में पहली बार चिपको आंदोलन किया जा रहा है।

अजय भातखंडे ने बताया कि फ्रीगंज के नवनिर्मित होने वाले पुल के कारण दो शानदार कपोक के विशालकाय वृक्ष की बली ली जा रही है। इन विशालकाय जुड़वा वृक्षों को बचाने के लिए मानव श्रृंखला और चिपको आंदोलन आज बुधवार शाम 4 बजे किया जा रहा है। सभी पर्यावरण प्रेमियों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जिलाधीश को एक ज्ञापन भी दिया जाएगा।

अजय भातखंडे के अनुसार यह कपोक वृक्ष बेहद अद्भुत है। लगभग 100 फुट की उचाई लिए 60 से 65 वर्ष की आयु वाले ये कपोक वृक्ष है, जो उज्जैन की शान है। इस तरह के पूरे शहर मे केवल यही वृक्ष है। इन वृक्षों को बचाने हेतु आम जन से आंदोलन में शामिल होने की अपील प्रवीण साठे, आशुतोष पंडित, मिलिंद लेले, राजीव पहावा, गोपाल महाकाल, शशांक शुक्ला, प्रवीण बहुलकर, दुर्गेश जोशी, अभिमान विश्वास, अजय तत्वाड़े, हेमंत भाटी, सुधांशु विश्वास एवं समस्त पर्यावरण प्रेमियों ने की है।

नई शिक्षा नीति रोज़गार के अवसर प्रदान करती है-डॉ धीरेन्द्र शुक्ल

उज्जैन। मध्य प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने वाला पहला राज्य है। 28 अगस्त 2021 को यह नीति भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में लागू की गई। यह विद्यार्थियों को अन्तर विषयक अध्ययन की सुविधा प्रदान करती है। वे यदि पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं और वापस आना चाहते हैं तो उन्हें मौका दिया जाता है। यह नीति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारती है। उन्हें आगे बढ़ने के अवसर का उपयोग करना बताती है। हमारे छात्र स्वयं पोर्टल पर भी स्वयं को पंजीकृत करवा रहे हैं। हमें अपने विद्यार्थियों को अच्छे कैरियर का चुनाव करने और प्रशासनिक अधिकारी बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यह नीति विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने पर भी बल देती है।

ये उद्गार प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित कार्यशाला के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ धीरेंद्र कुमार शुक्ल ने व्यक्त किए। माधव कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कल्पना सिंह द्वारा स्वागत वक्तव्य प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि हम एक विशेष प्रकार के कॉलेज में हैं। इसलिए हम को कुछ अलग अंदाज़ में काम करना होगा। यह शिक्षा नीति ऐसे शोधार्थी तैयार कर रही है जो देश को आगे बढ़ा सकें। विकसित भारत का स्वप्न शिक्षा के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। जाने माने शिक्षाविद वरुण गुप्ता ने कहा कि नई शिक्षा नीति में सीखने पर बल दिया गया है। छात्रों को अपनी प्रतिभा और रुचि के प्रदर्शन का मौका दिया गया है ताकि वे अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबन्ध संस्थान के अध्यक्ष डॉ डी डी बेदिया ने परीक्षा संचालन और मूल्यांकन पर मार्गदर्शन दिया। शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन के प्राचार्य डॉ प्रशान्त पुराणिक ने कहा कि पहले विद्यार्थियों में रचनात्मकता समाप्त हो रही थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उसे जीवित कर दिया। यह नीति विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्ति की ओर ले जाती है। डॉ पुराणिक ने इस नीति से जुड़ी कई नई बातें बताई। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन के प्राचार्य डॉ हरीश व्यास ने संबोधित करते हुए कहा कि हम जिस समय इतिहास पढ़ा रहे हैं, उसी समय इतिहास रच भी रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रोजेक्ट की व्यवस्था इसलिए की है कि छात्रों को रोजगार के लिए अवसर मिल सकें। प्राचार्य डॉ कल्पना सिंह ने डॉ धीरेंद्र कुमार शुक्ल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जफर महमूद द्वारा किया गया। डॉ शोभा मिश्र, डॉ अंशु भारद्वाज, डॉ. मंसूर खान, डॉ अल्पना उपाध्याय, डॉ बी एस अखण्ड, डॉ चंद्रकांता तेजवानी, डॉ नीरज सारवान, प्रो प्रमोद मालवीय, डॉ दिनेश जोशी, प्रो मनोज सिसौदिया, डॉ मृदुल चन्द्र शुक्ल सहित सभी प्राध्यापक मौजूद रहे। सरस्वती वंदना डॉ नलिनी तिलकर ने प्रस्तुत की।

उज्जैन दुग्ध संघ की दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से दूध क्रय दरों में की गई वृद्धि

उज्जैन। एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) भोपाल से संबद्ध उज्जैन दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय दर में सर्वाधिक वृद्धि की गई है। दुग्ध उत्पादकों से रूपए 820 प्रति किग्रा फैट से दूध क्रय करने का निर्णय 21 सितंबर 2025 से लेते हुए प्रभावशील किया गया। संघ द्वारा दूध क्रय दर में वृद्धि करने एवं निर्धारित तिथियों में भुगतान होने पर दुग्ध उत्पादकों में जहां खुशियों की लहर दौडने लगी है वहीं दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को आर्थिक लाभ होने के साथ-साथ पशुपालन व्यवसाय में रूचि भी बढ रही है। उल्लेखनीय है कि दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध उत्पादकों को नियत तिथियों 5 तारीख, 15 तारीख और 25 तारीख में अनिवार्य रूप से नियमित भुगतान किया जा रहा है। एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संजय गोवाणी ने कहा कि राज्य सरकार एवं राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के मध्य हुए सहकार्यता अनुबंध के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार इस वर्ष अब तक उज्जैन दुग्ध संघ के कार्यक्षेत्र में 64 नवीन दुग्ध समितियों का गठन किया जा चुका है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com